



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

9 कार्तिक, 1941 (श०)

संख्या- 940 राँची, गुरुवार,

31 अक्टूबर, 2019 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

24 अक्टूबर, 2019

संख्या-5/आरोप-1-43/2017-26513 (HRMS)/1)-- श्री सुनील कुमार प्रजापति, झा0प्र0से0 (चतुर्थ बैच, गृह जिला-बोकारो), के विरुद्ध इनके प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बोड़ाम, पूर्वी सिंहभूम के पद पर कार्यावधि से संबंधित ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-962, दिनांक 03.04.2017 के माध्यम से उप विकास आयुक्त, पूर्वी सिंहभूम के पत्रांक-43/जि0ग्रा0, दिनांक 06.01.2017 द्वारा आरोप प्रपत्र-‘क’ में गठित कर उपलब्ध कराया गया। प्रपत्र-‘क’ में श्री प्रजापति के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 में मनरेगा अधिनियम की धारा-23, धारा-25, धारा-27(2) का उल्लंघन करने, सरकार को 4,93,255/- (चार लाख तिरानवे हजार दो सौ पचपन रुपये) की राजस्व की क्षति पहुँचाने तथा सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रतिकूल आचरण करने संबंधित आरोप प्रतिवेदित किया गया, उक्त आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक-5973, दिनांक 05.05.2017 द्वारा श्री प्रजापति से स्पष्टीकरण की माँग की गई, जिसके अनुपालन में श्री प्रजापति के पत्रांक-435, दिनांक 22.05.2017 द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। श्री प्रजापति के स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक-7353, दिनांक 20.06.2017 द्वारा उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर से मंतव्य की माँग की गई। उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के पत्रांक-2366/जि0ग्रा0, दिनांक 22.12.2018 द्वारा इनके स्पष्टीकरण पर मंतव्य उपलब्ध कराया गया है। श्री प्रजापति के विरुद्ध आरोप, इनके स्पष्टीकरण एवं उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के मंतव्य के समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प सं0-1503 (hrms), दिनांक 28.03.2019 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जिसमें श्री विनोद चन्द्र झा, सेवानिवृत्त भा0प्र0से0, विभागीय

जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड, राँची को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया। संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-168, दिनांक 10.07.2019 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया, जिसमें संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोप सं0-3 एवं 5 को आंशिक रूप से सही प्रतिवेदित किया गया। विभाग द्वारा पर श्री प्रजापति के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, इनके बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य की समीक्षा की गयी। समीक्षा में पाया गया कि प्रखण्ड कार्यालय बोड़ाम में श्री प्रजापति के कार्यकाल में 4 रोजगार सेवक-सरोज कुमार साहु, श्री काजल राणा, श्री सहदेव बेसरा एवं श्री प्रबोध कुमार राउत तथा एक कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री नितेश चन्द्र प्रसाद के बैंक खाते में मेठ के रूप में कार्य करने संबंधी फर्जी विपत्र के आधार पर अवैध रूप से कुल 4,19,636=88 रुपये की राशि FTO के माध्यम से स्थानांतरित की गयी एवं उसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी श्री प्रजापति के Digital Signature का उपयोग किया गया, जिसके लिए श्री प्रजापति दोषी प्रतीत होते हैं। यद्यपि बाद में मामला संज्ञान में आने के बाद सम्पूर्ण राशि ब्याज सहित संबंधित कर्मियों से वसूल कर ली गई। आरोपी पदाधिकारी द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया कि मुखिया, पंचायत सेवक, नाजिर एवं उनके Digital Signature का उपयोग कम्प्यूटर ऑपरेटर के द्वारा किया जाता था। आरोपी द्वारा पंचायत स्तर पर संधारित अभिलेखों का विधिवत अवलोकन नहीं किये जाने के कारण ही फर्जी मेठ संबंधी विपत्र की राशि FTO के माध्यम से हस्तान्तरण की जा सकी।

अतः समीक्षोपरांत, संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन एवं विभागीय समीक्षा के अलोक में श्री प्रजापति के विरुद्ध झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iv) के अन्तर्गत असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

Sr No.	Employee Name G.P.F. No.	Decision of the Competent authority
1	2	3
1	SUNIL KUMAR PRAJAPATI JHK/JAS/184	श्री सुनील कुमार प्रजापति, झा0प्र0से0 (चतुर्थ बैच), तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बोड़ाम, पूर्वी सिंहभूम के विरुद्ध झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iv) के अन्तर्गत असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अशोक कुमार खेतान,
सरकार के संयुक्त सचिव।
जीपीएफ संख्या:BHR/BAS/2972
